प्रश्न–पत्र की योजना 2024–2025

कक्षा –12th
विषय –हिन्दी अनिवार्य
अवधि –3 घण्टे 15 पूर्णांक–80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	13	16.25
2.	अवबोध	30	37.5
3.	ज्ञानोपयोग	27	33.75
4.	कौशल	7	8.75
5.	विश्लेषण	3	3.75
योग		80	100

2. प्रश्नों के प्रकारवार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंको का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	16	1	16	20	33.33	20
2.	रिक्त स्थान	6	1	6	7.5	12.5	10
3.	अतिलघूत्तरात्मक	12	1	12	15	25	50
4.	लघूत्तरात्मक	5	2	10	12.5	10.41	35
5.	दीर्घउत्तरात्मक	5	3	15	18.75	10.41	40
6.	निबंधात्मक	4	6(2), 4(1), 5(1)	21	26.25	8.33	40
	योग	48		80			195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' मेंहैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंकभर	प्रतिशत
1	आरोह गद्य	18	22.5
2	आरोह पद्य	14	17.5
3	वितान	12	15
4	अभिव्यक्ति व जनसंचार के माध्यम	07	8.75
5	रचनात्मक लेखन	09	11.25
6	व्याकरण	8	10
7	अपठित	12	15

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2024–2025

कक्षा –12 **विषय :–हिन्दी अनिवार्य** **समय 3 घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक– 80**

क्र.सं.	उद्देश्य इकाई / उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघूत्तरात्मक	लघूत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	आरोह गद्य					3(1)	1(-)	1(4)									2(1)		4(1)					2(1)	1(-)					1(-)		**18(8)**
2	आरोह पद्य						1(-)	1(3)									2(1)		4(1)					2(1)	1(-)					1(-)		**14(6)**
3	वितान							1(5)									2(2)	3(1)														**12(8)**
4	अभिव्यक्ति व जनसंचार के माध्यम							1(2)			2(1)							3(1)														**7(4)**
5	व्यावहारिक व्याकरण		1(6)					1(2)																								**8(8)**
6	रचना–पत्र						1(-)												2(1)												1(-)	**4(1)**
7	निबंध						1(-)												3(1)						1(-)							**5(1)**
8	अपठित गद्य									1(6)																						**6(6)**
9	अपठित पद्य									1(6)																						**6(6)**
	योग		6(6)			3(1)	4(-)	16 (16)		12 (12)	2(1)						8(4)	6(2)	13 (4)					4(2)	3(-)							**80(48)**
	सर्वयोग	13(7)						30(29)						27(10)						7(2)						3(-)						**80(48)**

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोटः–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' के द्योतक है।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

BSER

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025

Senior Secondary Examination, 2025

नमूना प्रश्न–पत्र

Model Paper

विषय – हिन्दी अनिवार्य

Sub : Hindi Compulsory

कक्षा – 12वीं

Class: 12^{th}

BSER

समय : 03 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :–

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं उनके उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

Join Channel For Free Study Materials

YouTube WhatsApp Telegram

'खण्ड – अ'

प्र.1) निम्नलिखित बहुविकल्पात्मक प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिएः– (1X16=16)

i) जसदेव सिंह और नरोत्तमपुरी किस विशेष लेखन से संबन्धित थे –

अ) विदेशनीति ब) कृषि

स) खेल द) विज्ञान

ii) जनसंचार माध्यमों में 'रेडियो' किस प्रकार का माध्यम है–

अ) श्रव्य माध्यम ब) दृश्य माध्यम

स) मुद्रित माध्यम द) श्रव्य एवं दृश्य माध्यम

iii) मराठी एवं कोंकणी भाषाओं की लिपि है –

अ) गुरूमुखी ब) रोमन

स) फारसी द) देवनागरी

iv) पश्चिमी हिन्दी की बोलियों में सम्मिलित बोली है –

अ) अवधी ब) ब्रज

स) भोजपुरी द) बागड़ी

v) कवि कुँवरनारायण की कविता 'कविता के बहाने' उनके किस काव्य संग्रह से पाठ्य पुस्तक में संग्रहित की गई है –

अ) इन दिनों ब) कोई दूसरा नहीं

स) अपने सामने द) चक्रव्यूह

vi) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की कविता 'बादल राग' किसका प्रतीक है –

अ) शान्ति का ब) करूणा का

स) क्रान्ति का द) नवीनता का

vii) 'फ़िराक' की रूबाई किस कवि के वात्सल्य की सादगी की याद दिलाती है –

अ) तुलसी दास जी की ब) सूरदास जी की

स) रहीम की द) रसखान की

BSER

viii) 'भक्तिन' पाठ साहित्य की दृष्टि से किस प्रकार की विधा है –

अ) कहानी ब) यात्रा वृतांत

स) संस्मरणात्मक रेखाचित्र द) निबंध

ix) 'शेर के बच्चे' की उपाधि किसे दी गई –

अ) लुट्ठन सिंह को ब) बादल सिंह को

स) चाँद सिंह को द) बहादुर सिंह को

x) 'शिरीष के फूल' नामक निबंध हजारी प्रसाद द्विवेदी के किस काव्य संग्रह से लिया गया है–

अ) कल्पलता ब) विचार प्रवाह

स) आलोक पर्व द) विचार और वितर्क

xi) 'बाजार दर्शन' नामक निबंध के रचनाकार है–

अ) धर्मवीर भारती ब) हजारी प्रसाद द्विवेदी

स) जैनेन्द्र कुमार द) फणीश्वर नाथ 'रेणु'

xii) 'आनंदा' कौनसी कक्षा में पढ़ता था –

अ) सातवीं ब) तीसरी

स) चौथी द) पाँचवी

xiii) यशोधर बाबू किसे अपना गुरू मानते थे ?

अ) आनन्दा को ब) किशन दा को

स) भगवान दास को द) पंतजी को

xiv) 'जूझ' पाठ के लेखक को शिक्षा से पुनः जोड़ने में किसका योगदान था –

अ) दत्ताजी राव देसाई ब) रणनवरे मास्टर

स) मास्टर मंत्री द) वसन्त पाटिल

BSER

xv) सिन्धुधाटी सभ्यता मूलतः थी –

अ) व्यापारिक सभ्यता ब) औद्योगिक सभ्यता

स) खेतिहर एवं पशुपालक द) पर्यटन प्रधान सभ्यता

xvi) ''अरे ये वैडिंग एनीवर्सरी वगैरह सब गौरे साहबों के चोंचले हैं।'' कथन है –

अ) किसन दा ब) चड्ढा साहब

स) यशोधर बाबू द) मेनन

प्र.2) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **(i xvi=6)**

(i) वक्ता या लेखक के अभीष्ट का बोध कराने का गुण.......... कहलाती है।

(ii) ....शक्ति विविध आयामी अर्थ अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम है।

(iii) 'चारू चन्द्र की चंचल किरणें' काव्य पंक्ति में ....अलंकार है।

(iv) एक ही शब्द दो या दो से अधिक बार भिन्न–भिन्न अर्थो में प्रयुक्त होता है, तब वहाँ ....अलंकार होता है।

(v) 'घोषणा पत्र' शब्द के लिए सही अंग्रेजी शब्द (पारिभाषिक शब्द) ....है।

(vi) PROBATION 'शब्द का सही हिन्दी शब्द (पारिभाषिक शब्द) ....है।

प्र.3) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए । (1X6= 6)

तीर्थयात्रा की संस्था प्राचीन सभ्यता और संस्कृति को अपनी विशेषताओं में से एक हैं। संसार के और किसी देश में देवालयों और तीर्थस्थानों का ऐसा जाल बिछा हुआ नहीं दिखाई देता, जैसा हमारी इस विस्तृत मातृभूमि पर, लोगों के धार्मिक उत्साह के परिणाम स्वरूप फैला हुआ हैं। लोगों ने इस तरह अपने देश के प्रति श्रद्धा प्रकाशित करने का यत्न किया है। तीर्थयात्रा की संस्था अंततोगत्वा मातृभूमि के प्रति प्रेम की अभिव्यक्ति है, यह देश की पूजा की लाक्षणिक रीतियों में से एक है। पितृ भूमि के प्रति प्रेम ने अपने उत्साह की तीव्रता में सारे देश में हजारों तीर्थ स्थानों को जन्म दिया है, जिससे उसका प्रत्येक भाग पवित्र और पूजा योग्य माना जाए।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) भारतीय संस्कृति की कोई एक विशेषता बताईए।

(iii) लोगो ने देश के प्रति श्रद्धा कैसे अभिव्यक्त की है?

BSER

(iv) देश की पूजा की एक लाक्षणिक रीति बताइए।

(v) हजारों तीर्थ स्थानों का जम्न कैसे हुआ ?

(vi) देश का प्रत्येक भाग पूजनीय कैसे बना ?

प्र.4) निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर उत्तर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए ? (6 X1= 6)

आओ मिलें सब देश बांधव, हार बनकर देश के
साधक बने सब प्रेम से, सुख शांतिमय उद्देश्य के
क्या साम्प्रदायिक भेद से है ऐक्य मिट सकता अहों ?
बनती नही क्या एक माला, विविध सुमनों की कहों।
रखों परस्पर मेल, मन में छोड़कर अधिवेकता,
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता
वो एक एकादश हुए किसने नही देखे सुने,
हाँ! शून्य के भी योग से है, अंक होते दस गुने।

(i) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

(ii) साम्प्रदायिक विविधता की तुलना किससे की गई है ?

(iii) कवि ने किसकी माला बनाने को कहा है ?

(iv) किस भेद से एकता नही मिट सकती है ?

(v) किसके योग से अंक दस गुने हो जाते है ?

(vi) पद्यांश का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

'खण्ड – ब'

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए–

प्र.5) हिन्दी में ' नेट पत्रकारिता' पर टिप्पणी लिखिए। (2)

प्र.6) 'बूढी मुँह मुँहासे लोग करें तमासे' कहावत किसने किस संदर्भ में कही है ? 'सिल्वर वेडिंग' कहानी के आधार पर लिखिए। (2)

BSER

प्र.7) मुअनजो–दड़ों' का समाज एक सुसंकृत समाज था। पठित पाठ के आधार पर लिखिए। (2)

प्र.8) ''बात और भी पेचीदा होती चली गई।'' से कवि कुँवर नारायण का क्या आशय है ? पठित कविता के आधार पर लिखिए। (2)

प्र.9) बाजार का बाज़ारूपन कौन बढ़ाते हैं ? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

(2)

'खण्ड – स'

प्रश्न सं. 10 से 14 के उत्तर 60 से 80 शब्दों में लिखिए–

प्र.10) हजारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष के फूल की तुलना कबीर के व्यक्तित्व से क्यों की है। (2)

अथवा

भीमराव अम्बेडकर के अनुसार एक आदर्श समाज में किन–किन गुणों समावेश होना चाहिए? पठित पाठ के आधार पर लिखिए।

प्र.11) 'रामचरित मानस' के लंका काण्ड में तुलसीदास जी ने राम का पूरी तरह मानवीकरण कर दिया।'' कैसे ? स्पष्ट कीजिए। **(3)**

अथवा

'छोटा मेरा खेत' कविता की मूल संवेदना लिखिए।

प्र.12) 'जूझ' पाठ के आधार पर लेखक के संघर्ष को स्पष्ट कीजिए। **(3)**

अथवा

सिल्वर वेडिंग पाठ के आधार पर यशोधर बाबू की चारित्रिक विशेषताओं पर किसका प्रभाव पडा, आप उन पर पड़े प्रभाव से कहाँ तक सहमत हैं ?

प्र.13) रघुवीर सहाय अथवा जैनेन्द्र कुमार का साहित्यिक परिचय लिखिए। (3)

प्र.14) फीचर लेखन को उदाहरण सहित समझाइए। (3)

अथवा

'रोजगारोन्मुखी शिक्षा' की आवश्यकता विषय पर एक आलेख लिखिए।

BSER

'खण्ड – द'

प्र.15) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– (6)

नभ में पाँती –बँधे बगुलों के पंख,
चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें,
कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,
तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया।
हौले हौले जाती मुझे बाँध निज माया से।
उसे कोई तनिक रोक रखो।
वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें,
नभ में पाँती–बँधी बगुलों की पाँखें।

अथवा

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ
जो मुझको बाहर हँसा, रूलाती भीतर
मैं हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ।
कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है, हाय जहाँ पर दाना।
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे?
मैं सीख रहा हूँ? सीखा ज्ञान भुलाना।

प्र.16) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :– (6)

BSER

रात्रि की विभीषिका को सिर्फ पहलवान की ढोलक ही ललकार कर चुनौती देती रहती थी। पहलवान संध्या से सुबह तक चाहे जिस खयाल से ढोलक बजाता हो किन्तु गाँव के अर्द्धमृत, औषधि उपचार पथ्यविहीन प्राणियों में वह संजीवनी शक्ति ही भरती थी सभी की शक्तिहीन आँखो के आगे दंगल का दृश्य नाचने लगता था। स्पंदन शक्ति शून्य स्नायुओं में भी बिजली दौड़ जाती थी । ढोलक की आवाज में न तो बुखार हटाने का कोई गुण था और न महामारी की सर्वनाश शक्ति को रोकने की शक्ति ही, पर इसमें संदेह नहीं कि मरते हुए प्राणियों को आँख मूँदते समय कोई तकलीफ नहीं होती थी।

अथवा

भक्तिन और मेरे बीच में सेवक स्वामी का सम्बन्ध है यह कहना कठिन है, क्योंकि ऐसा कोई स्वामी नहीं हो सकता जो इच्छा होने पर भी सेवक को अपनी सेवा से हटा न सके और ऐसा कोई सेवक भी नहीं सुना गया जो स्वामी के चले जाने का आदेश पाकर अवज्ञा से हँस दे। भक्तिन को नौकर कहना उतना ही असंगत है जितना अपने घर मे बारी बारी से आने जाने वाले अंधेरे उजाले और आंगन में फूलने वाले गुलाब और आम को सेवक मानना। वे जिस प्रकार एक अस्तित्व रखते हैं जिसे सार्थकता देने के लिए ही हमें सुख–दुख देते हैं उसी प्रकार भक्तिन का स्वतंत्र व्यक्तित्व अपने विकास के परिचय के लिए ही मेरे जीवन को घेरे हुए है।

प्र.17) स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय 'दीयापुर' का प्रधानाचार्य मानकर पुलिस अधीक्षक महोदय को एक अर्द्धसरकारी पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों को यातायात सम्बन्धी नियमों की जानकारी देने हेतु निवेदन किया गया हो। **(4)**

अथवा

सचिव, राजस्थान सरकार पशुपालन विभाग की ओर से भेड़ पालन फार्म खोलने हेतु एक अधिसूचना लिखिए।

प्र.18) निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए। **(5)**

(1) समाज में जीवन मूल्यों का महत्त्व
(2) सामाजिक संचार माध्यमों (सोशियल मीडिया) का बढता दुरूपयोग
(3) हमारे महाकाव्य
(4) बाढ़ का दृश्य

BSER